(e) The shortcomings in policy are constantly reviewed and necessary changes made from time to time.

Growth rate in Banking Industry

1883. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) what, on an average, is the annual percentage of growth rate in the banking industry in the rural and urban areas in the ciuntry stating the number of new Bank branches opened annually in these areas;

(b) what is the average annual percentage of increase in the bank deposits and credits particularly in the rural areas;

(c) whether Government have made any review to know the areas in which the performance of banking service is lacking; and

(d) if so, what is the outcome thereof stating the measures taken by Government to bring about all round improvement in their functioning?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHAN POOJARI): (a) and (b) The deposits of all scheduled commercial banks increased by 18.5% in 1985 and by 18.9% during 1986. The outstanding advances of these banks registered an increase of 12.6% in 1985 and of 12.3% during 1986. The growth rate of deposits and advances of rural branches in 1985 was 22.4% respectively. The Reserve Bank of India has reported that data relating to growth rate of deposits and advances of rural branches for the year 1986 is not yet available. The total number of new Bank branches opened by all scheduled commercial banks during 1983 and 1986 was 4321 and 318 respectively, which included 3674 rural branches in 1985 and 225 in 1986.

(c) and (d) The Reserve Bank of India has completed the identification of development blocks, deficit as per the population norms contained in current branch licensing policy. With a view to cover spatial gaps in areas where banking service is not available, the policy envisages identification of new centres in a manner so as to provide a bank office within a distance of 10 Kms. from every village. The banks have been further advised that while preparing district credit plans, the credit requirements of underbanked pockets should also be kept in view.

विभिन्न विभागों में पुस्तकों का प्रकाशन

1884. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मंत्रालय द्वारा कितने विभागों की पत्रिकाएं प्रकाशित की जाती है, प्रत्येक विभाग की प्रकाशित होने वाली पत्रिका के नाम तथा उनकी संख्या कितनी है और क्या इन पत्रिकाओं को तैयार करने में उस विभाग द्वारा कोई भूमिका निभाई जाती हैं; और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान मंत्रालय द्वारा कितनी पुस्तकें प्रकाशित की जाती है और उनमें से मूल पुस्तकों, संदर्भ पुस्तकों, हिन्दी की पुस्तकों की संख्या कितनी है और अंग्रेजी से अनुदित की गई पुस्तकों की संख्या कितनी है ; और

(ग) विभाग में बिना बिकी पड़ी पुस्तकों की संख्या कितनी है और क्या इन पुस्तकों को बेचे जाने तथा दान किये जाने की कोई व्यवस्था है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजीत पांजा) : (क) प्रकाशन विभाग जो सूचना और प्रसारण मंत्रालय

के अधीन है, निम्नलिखित पत्रिकाएं प्रकाशित करता है :

विभाग का नाम	प्रकाशित पत्रिका का नाम
1. ग्रामीण विकास विभाग	कुरुक्षेत्र
2. विदेश मंत्रालय	इंडियन एंड फारेन रिव्यू
3. योजना आयोग	योजना

संबंधित विभाग दिशा-निर्देश उपलब्ध करते है तथा पत्रिकाओं में उपयोग के लिये समय-समय पर कुछ सामग्री देते हैं।

(ख) ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है। (नीचे देखिये)

(ग) 31-3-1986 को वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर, प्रकाशन विभाग के स्टाक में पुस्तकों की 15, 54, 848 प्रतियां थी। पुस्तकों और पत्रिकाओं को विभागीय विक्रय भंडारों तथा गैर-सरकारी एजेन्टों के माध्यम से बेचा जाता है। प्रकाशनों को दान स्वरूप देने की कोई व्यवस्था नहीं है।

विवरण

	1983-84	1984-85	1985-86	कैफियत
(1) प्रकाशित कुल पुस्तकें :				
अंग्रेजी	36	31	24	
हिन्दी	38	35	57	
अन्य भारतीय भाषाएं	15	19	26	
योग :	89	85	107	
(2) मूल पुस्तकें	64	48	71	इसमें हिन्दी से अन्य भारतीय भाषाओं में और अन्य भारतीय भाषाओं से हिन्दी में अनुदित पुस्तकें शामिल नहीं है।
(3) अंग्रेजी से अनुदित पुस्तकें	18	26	18	
(4) संदर्भ पुस्तकें :				
अंग्रेजी	4	6	5	
हिन्दी	3	—	5	

Deployment of Indian Defence Forces along Indo-Pak Borders

1885. **SHRI MAHENDRA PRASAD:**
DR. RATNAKAR PANDEY:
SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE:

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether Government had ordered deployment of defence forces along the Indo-Pak borders in January this year;

(b) if so, what are the precise circumstances therefor; and

(c) what is the latest position regarding deployment of Pak forces along the borders?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF DEFENCE RESEARCH AND DEVELOPMENT IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI ARUN SINGH): (a) and (b) Pakistan had moved the bulk of its